प्रधानमंत्री ने की बहनों के प्रयासों की सराहना

'मन की बात' में गूंजी ब्यावरा की पर्यावरण क्रांति

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 135वें संस्करण में मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले के ब्यावरा की पर्यावरण संरक्षण की अनूठी पहल को राष्ट्रीय पहचान मिली। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में ब्यावरा की महिलाओं द्वारा चलाए जा रहे प्लास्टिक मुक्त अभियान का विशेष उल्लेख करते हुए इसे जनभागीदारी से सामाजिक परिवर्तन और 'वेस्ट टू वेल्थ' का प्रेरणादायी उदाहरण बताया। इस उपलब्धि से पूरे प्रदेश में खुशी का माहौल है।

रविवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बैतूल जिले के ग्राम कुकरू में ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ 'मन की बात' कार्यक्रम सुना। इस अवसर पर केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्यमंत्री दुर्गादास उइके, विधायकगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि ब्यावरा की बहनों ने किसी के इंतजार के बजाय स्वयं आगे बढ़कर शहर में फैले प्लास्टिक कचरे और खाली बोतलों को एकत्र करना शुरू किया। समय के साथ यह पहल जन-आंदोलन का रूप ले चुकी है। एकत्रित प्लास्टिक का पुनर्चक्रण कर इको-ब्रिक्स तैयार किए जा रहे हैं, जिनका उपयोग सार्वजनिक स्थलों की सुंदरता बढ़ाने और उपयोगी संरचनाएं बनाने में किया जा रहा है। उन्होंने इस अभियान से जुड़े सभी लोगों को बधाई देते हुए इसे पूरे देश के लिए प्रेरणादायी बताया। डॉ. यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा मध्यप्रदेश की इस पहल का उल्लेख प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि यह अभियान पर्यावरण संरक्षण के साथ महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने की दिशा में भी महत्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत करता है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री की उस अपील का भी स्वागत किया, जिसमें आगामी गणेश महोत्सव के दौरान मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमाओं के उपयोग का आग्रह किया गया है। ब्यावरा में पर्यावरण प्रेमी संस्था के संयोजक अनिल कुशवाहा के नेतृत्व में कई महीनों से यह अभियान चलाया जा रहा है। संस्था घर-घर से सिंगल यूज प्लास्टिक और पॉलीथीन एकत्र कर इको-ब्रिक्स तैयार कर रही है। इनसे पार्कों के लिए बेंच, गार्डन फर्नीचर और अन्य उपयोगी सामग्री बनाई जा रही है। शहर में प्लास्टिक बैंक और बोतल बैंक भी स्थापित किए गए हैं। वर्तमान में 40 से 50 युवा और महिलाएं प्रतिदिन इस अभियान से जुड़े हैं तथा अब तक दो क्विंटल से अधिक प्लास्टिक का पुनर्चक्रण किया जा चुका है।

मंत्री पंवार ने किया महिलाओं का सम्मान

प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रीय मंच से ब्यावरा का उल्लेख किए जाने पर प्रदेश के मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास विभाग राज्यमंत्री नारायणसिंह पंवार ने इसे पूरे राजगढ़ जिले और ब्यावरा विधानसभा क्षेत्र के लिए गर्व का क्षण बताया। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर शुरू हुआ यह नवाचार आज राष्ट्रीय पहचान बन गया है। इससे न केवल प्लास्टिक प्रदूषण कम हो रहा है, बल्कि महिलाओं की भागीदारी से स्वच्छता अभियान को भी नई दिशा मिल रही है।मन की बात कार्यक्रम के प्रसारण के बाद मंत्री पंवार ने प्रधानमंत्री से सराहना प्राप्त करने वाली महिलाओं का सम्मान कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में स्वच्छ भारत अभियान, महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण जैसे अभियान जनआंदोलन का स्वरूप ले चुके हैं। आज देशभर में नागरिकों की भागीदारी से अनेक सकारात्मक परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं।

किसानों को मिलेगी वैश्विक पहचान

चार कृषि उपजों को जीआई टैग

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः मध्यप्रदेश की कृषि विरासत को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में प्रदेश को बड़ी सफलता मिली है। राज्य की चार विशिष्ट कृषि उपजों—सिताही कुटकी, नागदमन कुटकी, बैंगनी अरहर और छत्रिय धान—को भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग प्राप्त हुआ है। इससे इन उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में नई पहचान मिलेगी तथा किसानों को बेहतर मूल्य मिलने के साथ निर्यात के नए अवसर भी उपलब्ध होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार किसानों की आर्थिक समृद्धि बढ़ाने और उनकी आय में वृद्धि के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि कृषि कल्याण वर्ष के अंतर्गत जैविक, प्राकृतिक एवं परंपरागत खेती के संरक्षण और संवर्धन पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

चारों कृषि उपजें प्रदेश के आदिवासी बहुल महाकौशल क्षेत्र से संबंधित हैं। इससे विशेष रूप से डिंडोरी, मंडला, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, बालाघाट, छिंदवाड़ा और आसपास के हजारों किसानों को लाभ मिलने की उम्मीद है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन उत्पादों की मांग बढ़ने से किसानों की आय में वृद्धि होगी, पारंपरिक कृषि पद्धतियों और जैव विविधता का संरक्षण होगा तथा कृषि आधारित प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन को भी बढ़ावा मिलेगा।

सिताही कुटकी कम अवधि में तैयार होने वाली लिटिल मिलेट की देशी किस्म है, जो सूखा, कम नमी तथा रोगों के प्रति सहनशील मानी जाती है। वहीं नागदमन कुटकी अपने औषधीय गुणों और उच्च पोषण मूल्य के लिए प्रसिद्ध है। बैंगनी अरहर अपनी विशिष्ट रंगत, अधिक प्रोटीन और बेहतर उत्पादन क्षमता के कारण किसानों के लिए लाभदायक मानी जाती है, जबकि छत्रिय धान भी अपनी पारंपरिक विशेषताओं के लिए जाना जाता है।

गौ-मांस की तस्करी के आरोप में दो युवतियाँ गिरफ्तार

रोकने पर ग्रामीणों पर किया ताबड़तोड़ पथराव

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः मध्यप्रदेश के रीवा जिले के समान थाना क्षेत्र के लोही गांव में रविवार को गौ-मांस की तस्करी के संदेह में दो युवतियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बरामद मांस को जांच के लिए लैब भेजकर दोनों युवतियों से पूछताछ शुरू कर दी है।

समान थाना प्रभारी मनीषा उपाध्याय से मिली जानकारी के अनुसार, स्थानीय ग्रामीणों को पिछले कई दिनों से इन युवतियों द्वारा गौ-मांस की तस्करी किए जाने का गहरा संदेह था। रविवार को जब दोनों युवतियां अपनी स्कूटी से गुजर रही थीं, तब ग्रामीणों ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। खुद को घिरता देख युवतियों ने रुकने के बजाय अपनी स्कूटी को लोही नहर की तरफ दौड़ा दिया। ग्रामीणों ने तत्काल उनका पीछा शुरू किया, जिसके बाद थोड़ी ही दूरी पर उनकी स्कूटी अनियंत्रित होकर फिसल गई। पकड़े जाने के डर से दोनों युवतियों ने अपने पास मौजूद मांस को तुरंत नहर में फेंक दिया और ग्रामीणों को दूर रखने के लिए उन पर ताबड़तोड़ पथराव शुरू कर दिया। इस पथराव में एक पत्थर वहां मौजूद हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ता आनंद सिंह बघेल के सिर पर जा लगा, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए।

पथराव के बावजूद ग्रामीणों ने साहस दिखाते हुए दोनों युवतियों को चारों तरफ से घेरकर दबोच लिया और तुरंत स्थानीय पुलिस को मामले की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने दोनों युवतियों को हिरासत में लिया और उनकी निशानदेही पर नहर में फेंके गए मांस को पानी से बाहर निकलवाया। गिरफ्तार की गई युवतियों की पहचान 23 वर्षीय मुस्कान खान और 20 वर्षीय रुबिया खान के रूप में हुई है, जो मूल रूप से गोविंदगढ़ थाना क्षेत्र के अमिरती गांव की निवासी हैं।

पुलिस ने घटनास्थल से बरामद किए गए मांस को जप्त कर उसके गौ-मांस होने की वैज्ञानिक पुष्टि के लिए तत्काल फॉरेंसिक लैब (सैंपल जांच) भेज दिया है।

सलकनपुर देवीधाम की सीढ़ियों पर फिर दिखा तेंदुए का परिवार

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः सीहोर जिले के प्रसिद्ध सलकनपुर देवीधाम में एक बार फिर तेंदुए की मौजूदगी ने श्रद्धालुओं और प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। शुक्रवार तड़के मंदिर की मुख्य सीढ़ियों पर एक मादा तेंदुआ अपने दो शावकों के साथ घूमती हुई सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई। इसका वीडियो रविवार को सामने आया है।

सबसे बड़ी बात यह है कि बीती 14 मई को इसी क्षेत्र में एक साधु की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी, जिसकी जांच के दौरान वन विभाग ने तेंदुए के हमले की आशंका जताई थी। इसके अलावा 14 जून को भी मंदिर की सीढ़ियों पर तेंदुआ दिखाई दिया था। यानी डेढ़ महीने के भीतर यह तीसरी बार है जब सलकनपुर देवीधाम परिसर में तेंदुए की मौजूदगी दर्ज की गई है।

रविवार को सामने आये ताजा सीसीटीवी फुटेज में एक वयस्क मादा तेंदुआ अपने दो शावकों के साथ मंदिर की सीढ़ियों पर बेखौफ घूमती नजर आ रही है। सलकनपुर देवीधाम में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। सुबह तड़के और देर रात भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु इन्हीं सीढ़ियों का उपयोग करते हैं। ऐसे में वन्यजीव की लगातार मौजूदगी सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता का विषय बन गई है।

14 मई को साधु की हुई थी मौत : बीती 14 मई को सलकनपुर टेकरी के पास सड़क मार्ग स्थित नागिन जोड़ क्षेत्र में एक साधु का शव मिला था। शुरुआती जांच में किसी जंगली जानवर के हमले की आशंका जताई गई थी। इसके बाद वन विभाग ने इलाके में ट्रैप कैमरे लगाए थे। अगले ही दिन रात करीब 12:30 बजे कैमरे में एक तेंदुआ कैद हुआ, जिसके बाद माना गया कि साधु पर तेंदुए ने हमला किया हो सकता है। साधु रोज अपनी झोपड़ी से माता के दर्शन के लिए दंडवत यात्रा करते थे। गर्मी के मौसम में उन्होंने शाम की बजाय सुबह 4 से 5 बजे के बीच मंदिर जाना शुरू किया था। विशेषज्ञों का अनुमान है कि अंधेरे में दंडवत करते समय तेंदुए ने उन्हें किसी वन्य जीव समझकर हमला कर दिया होगा।

पिंजरा लगाने की घोषणा, लेकिन अब तक कार्रवाई नहीं: साधु की मौत के बाद वन विभाग ने तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने की बात कही थी। रेहटी वन विभाग ने इसके लिए जिला मुख्यालय से अनुमति भी मांगी थी। स्थानीय वन अधिकारियों ने प्रभावित क्षेत्र में जल्द पिंजरा लगाने का भरोसा दिया था, लेकिन अब तक यह व्यवस्था नहीं हो सकी। ताजा वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं ने वन विभाग की कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि साधु की मौत के बाद भी क्षेत्र को पूरी तरह सुरक्षित नहीं बनाया गया और न ही तेंदुए की निगरानी एवं पकड़ने के लिए प्रभावी कदम उठाए गए।

श्रद्धालुओं में दहशत, सुरक्षा बढ़ाने की मांग

मंदिर की मुख्य सीढ़ियों तक तेंदुए के परिवार के पहुंचने से दुकानदारों, स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं में भय का माहौल है। लोगों ने प्रशासन और वन विभाग से मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने, नियमित गश्त बढ़ाने और तेंदुए को सुरक्षित तरीके से रेस्क्यू करने की मांग की है, ताकि भविष्य में किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

प्रधानमंत्री को सेशल्स गणराज्य द्वारा सम्मानित करने पर मुख्यमंत्री ने दी बधाई

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सेशल्स गणराज्य द्वारा विशेष सम्मान 'गार्जियन ऑफ द ब्लू होराइज़न' से सम्मानित किये जाने पर हर्ष व्यक्त करते हुए मध्यप्रदेश के समस्त नागरिकों की ओर से उन्हें हार्दिक बधाई दी है। डॉ.यादव ने कहा कि श्री मोदी को सेशल्स गणराज्य के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया जाना प्रत्येक भारतीय के लिए गौरवमयी क्षण है। श्री मोदी को इसके पूर्व अनेक राष्ट्र सम्मानित कर चुके हैं।

युवक पर जबरन धर्म परिवर्तन और बेचने का लगाया आरोप

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः प्रदेश के जबलपुर जिले के घमापुर थाना क्षेत्र में रविवार को एक युवती ने एक युवक और उसके परिवार पर शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने, जबरन धर्म परिवर्तन कराने तथा उसे बेचने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना को लेकर हिंदूवादी संगठनों ने घमापुर थाने पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

पीड़िता के अनुसार, नवंबर 2022 में उसकी पहचान फेसबुक के माध्यम से एक युवक से हुई, जिसने अपना नाम अंकित बताया था। सोशल मीडिया पर उसने खुद को हिंदू के रूप में प्रस्तुत किया था। दोनों के बीच बातचीत बढ़ी और आरोपी ने शादी का वादा कर उसका विश्वास जीत लिया। बाद में युवती को पता चला कि युवक का वास्तविक नाम नेक अली खान है। आरोप है कि शादी का भरोसा देकर उसने युवती के साथ शारीरिक संबंध बनाए।

युवती का आरोप है कि जून 2023 में नेक अली खान उसे मुंबई के कल्याण ले गया, जहां उसकी इच्छा के विरुद्ध एक मौलवी की मौजूदगी में धर्म परिवर्तन कराया गया। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि इस दौरान उस पर गौमांस खाने का दबाव बनाया गया और धर्म परिवर्तन के बाद उसे बंधक बनाकर रखा गया।

शिकायत में युवती ने यह भी आरोप लगाया है कि नेक अली खान और उसके पिता शौकत खान ने मिलकर उसे अमरनाथ होटल में पांच लाख रुपये में बेच दिया। वहां उसे बंधक बनाकर प्रताड़ित किया गया। पीड़िता का कहना है कि 23 जून 2026 को वह किसी तरह आरोपियों के चंगुल से निकलने में सफल रही और जबलपुर पहुंचकर अपने परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी।

इसके बाद परिजनों और हिंदूवादी संगठनों के साथ युवती घमापुर थाने पहुंची, जहां उसने लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस का कहना है कि शिकायत में लगाए गए सभी आरोप गंभीर हैं और मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

सौर ऊर्जा संयंत्र मामले में कनिष्ठ अभियंता निलंबित

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने हनुमना स्थित 2 मेगावाट क्षमता के सौर ऊर्जा संयंत्र में विद्युत उपकरणों एवं सामग्री के संभावित दुरुपयोग की शिकायत पर सीधी संभाग में पदस्थ कनिष्ठ अभियंता रंजीत कुमार साहू को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

कंपनी के अनुसार शिकायत मिलने के बाद मुख्य अभियंता (प्रवर्तन), रीवा की अध्यक्षता में गठित जांच समिति ने स्थल निरीक्षण, अभिलेखों की जांच और संबंधित अधिकारियों के बयान दर्ज किए।

जांच में सामने आया कि सौर ऊर्जा संयंत्र के विद्युत संयोजन और लाइन विस्तार का कार्य ओम एंटरप्राइजेज द्वारा किया गया था, जिसकी प्रोपराइटर रंजीत साहू की पत्नी ममता कुमारी हैं।

जांच के दौरान कुछ विद्युत उपकरणों पर मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी का नाम अंकित मिला, जबकि कंट्रोल केबल पर मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड का उल्लेख पाया गया। इसके अलावा वीसीबी की नेम प्लेट पर क्रेता संबंधी विवरण मिटा हुआ मिला, जिसके अभिलेखीय सत्यापन की प्रक्रिया जारी है।

प्रथम दृष्टया संभावित संलिप्तता पाए जाने पर कंपनी प्रबंधन ने रंजीत साहू को निलंबित कर उनका मुख्यालय अधीक्षण अभियंता वृत्त, उमरिया निर्धारित किया है। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि संसाधनों के दुरुपयोग और अनियमितताओं के मामलों में उसकी शून्य सहिष्णुता की नीति है तथा जांच पूरी होने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्व. नरसिम्हा राव की जयंती पर किया नमन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भारत रत्न से सम्मानित पूर्व प्रधानमंत्री स्व. पी.वी. नरसिम्हा राव की जयंती पर स्मरण कर उन्हें नमन किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश के विकास में उनका योगदान सदैव याद किया जाएगा।

• डॉ. शिशिर उपाध्याय

• नया-नया जोश कहीं भारी न पड़ जाए...

नए-नवेले साहब इन दिनों पूरे जोश में हैं। कुछ ऐसा कर गुजरने की ललक है कि सीधे उस फाइल में हाथ डाल बैठे, जहां हाथ कम और जोखिम ज्यादा था। नतीजा यह हुआ कि मामला जितना नहीं चमका, उससे ज्यादा साहब चर्चा में आ गए। अब नजर इस बात पर है कि जोश से गरम हुए इस मामले को होश से कैसे ठंडा किया जाता है।

• वजनदारी भी, वफादारी भी...

एक स्थानीय आयोजन में बरसों से मंच की सीढ़ियां दूर से निहारने वाले साहब को इस बार ऊपर से फरमान आया तो मंच पर सम्मानजनक जगह भी मिल गई और माइक भी। फिर क्या था, भाषण में प्रधानमंत्री से लेकर मुख्यमंत्री तक की ऐसी प्रशंसा हुई कि सुनने वालों को भी समझ आ गया कि संदेश सिर्फ सभा के लिए नहीं, कहीं और तक पहुंचाने की पूरी तैयारी थी।

• जुबान फिसली या दिल की बात निकल गई...

एक वरिष्ठ माननीय ने अपने क्षेत्र की सभा में ऐसी बात कह दी, जिसे नेता आमतौर पर मन में रखते हैं, मंच पर नहीं। अब राजनीतिक गलियारों में बहस इस बात की है कि यह जुबान का फिसलना था या फिर बरसों से दबा सच माइक तक पहुंच गया।

• उम्मीद बड़ी थी, सूची छोटी निकली...

एक सूची क्या जारी हुई, कई चेहरों की मुस्कान भी साथ ले गई। एक माननीय इसलिए ज्यादा परेशान हैं कि पिछले पच्चीस साल में शायद ही कोई टीम उनके बिना बनी हो। अपना नाम नहीं आया, इसका गम तो है ही, लेकिन चिर-प्रतिद्वंद्वी का नाम देखकर टीस कुछ ज्यादा ही बढ़ गई। अब सूची से ज्यादा उसकी कहानी पढ़ी जा रही है।

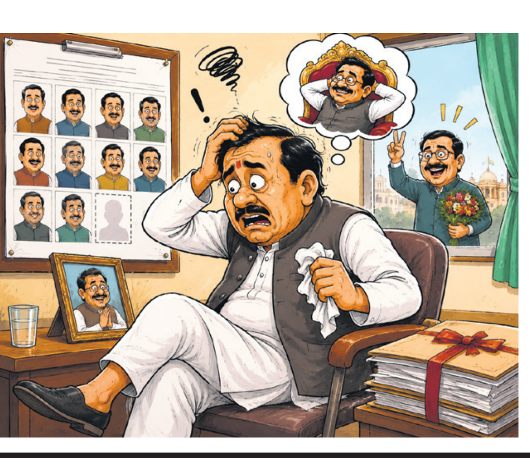

• भरोसेमंद हाथ की तलाश...

निगम, मंडल और आयोगों में नई ताजपोशी के बाद कामकाज शुरू हो चुका है। मगर एक बड़े निगम के नए साहब की नजर अभी भी कुर्सी से ज्यादा कुर्सी के आसपास घूम रही है। वजह साफ है—ऐसा भरोसेमंद सहयोगी चाहिए, जो काम भी संभाले और साहब की छवि पर धूल का एक कण भी न जमने दे।

• सब कुछ लुटा के होश में आए...

साहब ने समय लगाया, संसाधन लगाए, कार्यक्रम किए, सामाजिक समरसता के मंच सजाए और यह भरोसा भी रखा कि मेहनत का इनाम एक दिन जरूर मिलेगा। लेकिन जब इंतजार का फल नहीं मिला तो अब मुस्कुराकर यही कहते हैं— 'हम तो बिना किसी लोभ-लालच के समाज सेवा कर रहे हैं।' राजनीतिक गलियारों में इसे लोग त्याग कम और तजुर्बा ज्यादा बता रहे हैं।

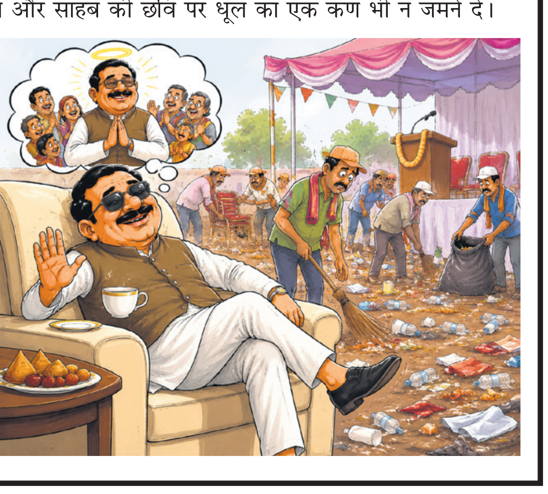

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1,भोपाल-462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादकः डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादकः अपूर्व तिवारी। *
फोन-0755-2550900-01, e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, www.naiduniaonline.com